(Pages : 4) **S – 6611**

Reg. No. : ....

Name : ....

Third Semester M.A. Degree Examination, February 2024

Hindi Language and Literature

HL-CC-531 — MODERN POETRY UPTO PRAGATIVAD

(2021 Admission Onwards)

Time : 3 Hours Max. Marks : 75

I. **सही उत्तर चुनकर लिखिए।**

1. हरिऔध को 'मंगलाप्रसाद पारितोषिक' सम्मान किस कृति को प्राप्त हुआ?

   (a) प्रियप्रवास (b) वैदेही वनवास

   (d) रस कलश (d) बालचर

2. मैथिली शरण गुप्त की आरंभिक रचनाएँ किस पत्रिका में प्रकाशित होती थी?

   (a) सरस्वती (b) नगरी नीरद

   (d) वैश्योपकारक (d) कर्मवीर

3. 'कामायनी : एक पुनर्विचार' किसकी आलोचनात्मक कृति है?

   (a) लक्ष्मीकांत वर्मा (b) डॉ. रामविलास शर्मा

   (d) डॉ. नामवर सिंह (d) मुक्तिबोध

4. 'तेरा वैभव देखूं या जीवन का क्रंदन देखूं' – किसकी पंक्तियाँ हैं?

   (a) निराला (b) प्रसाद

   (d) महादेवी वर्मा (d) पन्त

P.T.O.

5. 'तुम वहन कर सको जन-मन में मेरे विचार,

वाणी मेरी चाहिए, तुझको क्या अलंकार'। - किसका अवतरण है?

(a) प्रसाद (b) पन्त

(d) निराला (d) महादेवी वर्मा

6. 'राम की शक्तिपूजा' कविता किस ग्रन्थ से ली गयी है?

(a) गीतिका (b) परिमल

(d) अनामिका (d) अणिमा

7. 'अशब्द अधरों का सुना, भाष

मैं कवि हूँ, पाया है प्रकाश'। - यह निराला की किस कविता की पंक्तियाँ हैं?

(a) प्रिय के प्रति (b) स्नेह निर्झर बह गया है

(d) सरोज स्मृति (d) नर्गिस

8. पन्त की किस रचना को 'प्रकृति की चित्रशाला' कहा जाता है?

(a) वीणा (b) पल्लव

(d) ग्राम्या (d) गुंजन

9. 'एशिया जाग उठा है' - किसके द्वारा रचित है?

(a) नागार्जुन (b) बालकृष्ण शर्मा नवीन

(d) त्रिलोचन शास्त्री (d) शिवमगल सिंह सुमन

10. 'कविता कलाप' का रचनाकार है?

(a) महावीर प्रसाद द्विवेदी (b) शमशेर बहादुर सिंह

(d) श्रीधर पाठक (d) माखनलाल चतुर्वेदी

(10 × 1 = 10 Marks)

II. **किन्हीं पाँच अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।**

11. उनको देख कौन रोया यों अंतरिक्ष में बैठ अधीर!
व्यस्त बरसने लगा अश्रुमय यह प्रलेय हलाहल नीर!
हाहाकार हुआ क्रंदनमय कठिन कुलिश होते थे चूर,
हुए दिगंग बधिर, भीषण रव बार-बार होता था क्रूर।

12. मैं क्षितिज भृकुटि पर घिर धूमिल
चिंता का भार बनी अविरल,
रज-कण पर जल-कण हो बरसी
नव जीवन-अंकुर बन निकली।

13. ऐसे क्षण अंधकार घन में जैसे विद्युत
जागो पृथ्वी-तनया-कुमारिका-छवि, अच्युत
देखते हुए निष्पलक, याद आया उपवन
विदेह का, - प्रथम स्नेह का लतान्तराल मिलन।

14. उस रुदंती विरहिणी के रुदन-रस के लेप से,
और पाकर ताप उसके प्रिय-विरह-विक्षेप से,
वर्ण-वर्ण सदैव जिनके हो विभूषण कर्ण के,
क्यों न बनाते कवि जनों के ताम पत्र सुवर्ण के?

15. दैन्य दानव क्रूर स्थिति।
कंगाल बुद्धि; मजूर घर-भर।
एक जनता का अमर वर;
एकता का स्वर,
अन्यथा स्वातंत्र्य-इति।

16. तुंग हिमालय के कन्धों पर
छोटी-बड़ी कई झीलें हैं,
उनके श्यामल नील सलिल में
समतल देशों से आ-आकर
पावस की उमस से आकुल
तिक्त मधुर बीस-तंतु खोजते
हंसों को तिरते देखा है।

17. आँखें अलियों-सी
किस मधु की गलियों में फँसी,
बंद कर पांखें

पी रही हैं मधु मौन
या सोयी कमल–कोरकों में–
बंद हो रहा गुंजार।

(5 × 4 = 20 Marks)

III. **किन्हीं दो प्रश्नों पर निबंध लिखिए।**

18. 'राम की शक्ति पूजा महाकाव्योचित औदात्य से संपन्न लम्बी कविता है'। – समीक्षा कीजिए।

19. 'कामायनी' के रूपक तत्व की विवेचना कीजिए।

20. 'पन्त प्रकृति का सुकुमार कवि है'। – उक्त कथन की सार्थकता पर विचार कीजिए।

21. पठित कविताओं के आधार पर महादेवी वर्मा के काव्य के वेदना दर्शन की आलोचना कीजिए।

(2 × 10 = 20 Marks)

IV. **किन्हीं पाँच प्रश्नों पर टिप्पणियाँ लिखिए।**

22. निराला के काव्य में प्रगति चेतना।

23. उर्मिला का विरह वर्णन।

24. 'जागो फिर एक बार' कविता में अभिव्यक्त राष्ट्रीय भावना।

25. श्रद्धा की चरित्रगत विशेषताएँ।

26. छायावाद की काव्य भाषा।

27. हरिवंशराय बच्चन की काव्य दृष्टि।

28. कामायनी का प्रकृति चित्रण।

(5 × 5 = 25 Marks)